

होली toons... हमारे कार्टूनिस्ट अभिषेक तिवारी की नजर से...



होली के रंग: भारिया बोली का राग है खास पहचान

पातालकोट की होली में टेसू के रंग और टिमकी की थाप पर भारिया गाएंगे फाग

छि द्वारा जिला मुख्यालय से 75 किलोमीटर दूर प्राकृतिक सौंदर्य और अपनी अनेकी सांस्कृतिक परंपरा के लिए विख्यात पातालकोट की घाटी में इस वर्ष भी होली के मौके पर टेसू के फूलों के रंगों की महक बिखरेगी तो वहाँ टिमकी, मूदंग की थाप और झांझर के साथ फागुआ भी सुनाई देंगे। इस फाग में भारिया बोली का राग भी होगा, जिसे केवल यहाँ आकर सुना जा सकता है। जमीन से 1700 फीट नीचे स्थित इस स्थल पर 12 छोटे गांव और टोले हैं।

बच्चों की टोली लाती टेसू फूल

होली के दिन बच्चों और युवाओं की टोली सुबह से टेसू के पेड़ों से फूल निकालकर ले आती है। महुआ का पेड़ भी पहले ही आने फूल टापक देता है। इससे घर-घर टेसू से केसरिया रंग निकल आता है और महुआ से परम्परागत शराब। रात्रि में गांव और टोलों में गोबर के कड़े एवं होते और फिर महुआ पेय की तरफ प्रेरणा देते हैं। - मनोहर सोनी



काका कहिन

महंगाई....

जन-गण मन के देवता, अब तो आंखें खोल महंगाई से ही गया, जीवन डाकडाल जीवन डाकडाल, खबर लो शीघ्र कृपाल कलांद के भाव विक रहे बैंगन-आलू कह 'काका' कवि, दृढ़ दही को तरसे बच्चे आठ रुपये के किलो टमाटर, वह भी कच्चे राशन की उक्कान पर, देख भयकर भीर 'क्यू' में धूका माकर, पहुंच गये बलवीर पहुंच गए बलवीर, ले लिया नव विलाल खड़े रह गये निलाल, बूढ़े, बच्चे, महिला कह 'काका' कवि, करके बढ़े धरम का कांटा लाला बोले-धागो, खत्म हो गया आटा



यूएन बेचारा....

नाटो ने लड़वा दिया पड़ी करारी मार पुतिन और जेलेन्सकी कोई न माने हार कोई न माने हार खड़ा यूएन बेचारा सिसक राह यूक्रेन रूस भी धधका सारा खून की होली खेल रुलाया उन काटों ने छलनी-छलनी पांव बिखरे जो नाटो ने



हॉलीडे....

पप्पू हर रविवार को होली खेलता था। गप्पू ने पप्पू से पूछा, तुम रविवार को होली क्यों खेलते हो... पप्पू-अर मैंने पढ़ा हैं संदे मतलब हॉलीडे

जरूरी सूचना होली पर इतने पुराने कपड़े भी मत पहन लेना कि कोई रंग लगाने की बजाय रोटी देकर चला जाए।



ठोको ताली....

ठोको ताली जोर से आप बनी सरताज पंजाबी मुटे कहें बदल गया है राज बदल गया है राज धूंधर धर बैठे हैं जाहू बाले गली-गली कैसे ऐंठे हैं सिद्धू जी अब चली गई सत्ता मतवाली छाती कूटो बैठ गुरु! मत ठोको ताली



पत्रिका डिजिटल के साथ खुलकर खेलो होली

होली पर मौका है जश्न और धमाके से खेलने का।



इस बार होली इसलिए भी खास है क्योंकि पूरे दो साल बाद रंगों की बहाने खुलकर छाई है। मस्ती-मस्ती और रंगों के इस त्वारक में पत्रिका भी आपके साथ है।

पत्रिका डिजिटल पर शेयर करें खुशिया होली-पौली-नीली-लाल #PatrikaSelfieWithColors के साथ आपने सोशल मीडिया पर अपलोड करें अपनी होली की तस्वीरें व

विडियो और पाएं पत्रिका डिजिटल पर आने का मार्ग।

पत्रिका डिजिटल पर आने का मार्ग